


उपयुक्त आवास का मानव अधिकार,
हर महिला के लिए सुनिश्चित करता है:

- किफ़ायती और रहने लायक मकान एवं बुनियादी सुविधाओं तक आसान पहुँच
- किसी भी कारण से जबरन बेदखली और विस्थापन से सुरक्षा और बेघर होने से बचाव
- लिंग आधारित हिंसा और हर प्रकार के भेदभाव से मुक्ति
- मकान, ज़मीन, और ज़ायदाद पर समान और स्वतंत्र अधिकार, खास तौर पर एकल, अविवाहित, तलाकशुदा, निःसंतान, और विधवा महिलाओं के लिए
- विशेषकर गरीब, एकल, बुजुर्ग, विकलांग, दलित, आदिवासी, बहुजन, ट्रांसजेंडर और ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहनेवाली अन्य महिलाओं को आवास से जुड़ी नीतियों में प्राथमिकता
- आवास और भूमि से संबंधित नीतियों के बारे में उचित जानकारी और भाग लेने का अधिकार

हर महिला की यही पुकार,
आवास पर हमारा समान अधिकार!



The human right to adequate housing for women ensures:

- Access to affordable and habitable adequate housing with tenure security and basic facilities
- Protection from forced evictions and displacement due to any reason and freedom from homelessness
- Freedom from all forms of gender-based violence and elimination of discrimination
- Equal and independent rights to house, land, and property, especially for single, unmarried, divorced, childless, and widowed women
- Prioritization of access to housing for women who are poor, single mothers, elderly, transgender, queer, differently-abled, living with chronic illnesses, Dalit, Adivasi, Bahujan, indigenous, or historically marginalized
- Access to qualified information about housing related laws and policies and the right to equal participation and consultation

**All women have an
equal right to housing**